an>

Title: Need to increase quota of MPs for admission in Kendriya Vidyalayas.

**श्री श्रीरंग आप्पा बारणे (मावल):** अध्यक्ष महोदया, देश भर में केन्द्रीय विद्यालयों के द्वारा अच्छी शिक्षा देने का काम किया जा रहा है। आज कई ऐसे शिक्षण संस्थाएं हैं जो प्राइवेट रूप में शिक्षा देने का काम कर रहे हैं। कई शिक्षण संस्थाएं राज्य सरकार के तहत काम करते हैं और कई ऐसे गरीब परिवार हैं, जो डोनेशन नहीं दे पाते हैं, इसलिए वे अपने बच्चों का एडमिशन अच्छी संस्थाएं में नहीं करवा पाते हैं। माननीय सांसद मानव संसाधन मंत्रालय में सिफारिश करके 10 बच्चों का एडमिशन केन्द्रीय विद्यालयों में करवा सकते हैं। कई संसदीय क्षेत्र ऐसे हैं, जहां केन्द्रीय विद्यालय नहीं है। मेरे चुनाव क्षेत्र में करीब सात केन्द्रीय विद्यालय है, जो दो विभाग पुणे और रायगढ़ में आते हैं। मेरे पास हर साल तीन-साढ़े तीन सौ पैरेंट्स अपने बच्चों का एडमिशन केन्द्रीय विद्यालयों में कराने के लिए आते हैं, लेकिन उनमें से केवल 10 बच्चों को ही एडमिशन मिल पाता है, जिसके कारण ज्यादतर लोग नाराज हो जाते हैं।

मैं आपके माध्यम से इस मंत्रालय के मंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि देश भर में ज्यादा से ज्यादा केन्द्रीय विद्यालय खोला जाये और माननीय सांसदों का कोटा बढ़ाया जाये। धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्ष :** कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री शरद त्रिपाठी, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री श्रीरंग आप्पा बारणे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।